जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

अक्टूबर-दिसम्बर 2018 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष-03 अंक - 09

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- स्थापना दिवस
- कौशल विकास प्रशिक्षण
- प्रशिक्षण
- कृषि ज्ञान वाणी
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- आगामी माह हेतु तकनीकी सलाह

संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन

कुलपति

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता

संचालक विस्तार सेवाएं

ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा

डॉ. संजय वैशंपायन

डॉ. वाय.एम. शर्मा

डॉ. अनय रावत

डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता

निदेशक की कलम से

हमारे देश में विश्व की 3 प्रतिशत भूमि एवं 4 प्रतिशत जल राशि है किन्तु पूरे विश्व की 17 प्रतिशत जनसंख्या जो कि वर्तमान में लगभग 125 करोड़ से अधिक है। जनसंख्या का भरण पोषण एवं घटती कृषि जोत कृषि क्षेत्र के लिए एक चुनौती है। ऐसी स्थिति में कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाना एवं कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी करना न केवल राष्ट्र की आवश्यकता ही नहीं अपितु प्राथमिकता है। कृषि एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें पूर्ण समर्पण एवं ईमानदारी से कार्य करने पर ही सही लाभ हमारे अन्नदाता को प्राप्त होता है। कृषि के बदलते स्वरूप जैसे - जलवायु परिवर्तन के कारण खेती व किसानी में क्या-क्या बदलाव आ रहे हैं, जलवायु क्षेत्र विशेष की फसलों में परिवर्तन, मृदा की उपयोगिता व कृषि तकनीक का सही विस्तार आदि करने की आवश्यकता है, ताकि हमारे कृषकों को उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। कृषि तकनीक के हस्तांतरण हेतु जिले में स्थित कृषि ज्ञान के पॉवर हाऊस कृषि विज्ञान केन्द्रों में पदस्थ वैज्ञानिकों की समसामयिक कृषि तकनीकी सलाह एवं क्षेत्र विशेष की फसलों पर आयोजित प्रदर्शन अपनी उपयोगी सिद्ध कर रहे हैं एवं भविष्य में भी कृषकों को अधिक से अधिक लाभ मिले, इसे सार्थक पहल हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक एवं कर्मठ विभागीय कृषि कर्मचारी कृषि को आकर्षक एवं लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इसी संदर्भ में उन्नत खेती की दिशा में बहुस्तरीय खेती बहुत ही उपयोगी सिद्ध हो रही है। इस प्रणाली में पारंपरिक खेती से लागत चार गुना कम आती है, जबकि बहुस्तरीय फसल प्रणाली में आठ गुना मुनाफा अधिक होता है तथा फसल की गुणवत्ता भी उच्च स्तर की रहती है। एक फसल से दूसरी फसल को पोषक तत्व प्राप्त हो जाते हैं एवं खरपतवार तथा कीट पतंगों का प्रकोप बहुत कम होता है। बहु स्तरीय फसल प्रणाली में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों से एक फसल में डाली गई खाद से चार फसलें ली जा सकती हैं। बहुस्तरीय फसल प्रणाली कृषक बंधु फरवरी माह से प्रारंभ कर सकते हैं। इस प्रणाली में मंडप बनाने में लगभग 1.25 लाख रूपये का खर्च आता है। यह मंडप पांच वर्ष तक चलता है। इसी संदर्भ में कुछ कृषि विज्ञान केन्द्रों में प्रदर्शन लगाये गये हैं। उदाहरण स्वरुप हल्की भूमि हेतु चार स्तर में आधार फसल ऑवला, पूरक फसल पपीता एवं अंतर्वर्तीय फसल अदरक/हल्दी एवं लोबिया/ भिण्डी/ चौलाई/ करेला/ कुंदरू/ मेथी/ पालक/ परवल/ पड़ोरा आदि सफलतापूर्वक लगा कर किसान भाई अवश्य लाभान्वित हो सकेंगें।

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता

संचालक विस्तार सेवायें

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

स्थापना दिवस

01 अक्टूबर, 2018 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में पूर्ण गरिमा और उत्साहपूर्ण वातावरण में 55 वाँ वि.वि. स्थापना दिवस मानाया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. मंगला राय, पूर्व महानिदेशक, भा.कृ.अनु.परि., नई दिल्ली द्वारा स्थापना दिवस पर व्याख्यान दिया गया। कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि

विश्वविद्यालय कृषक फैलो सम्मान 2018 से श्रीमनोहर पाटीदार भोपाल, श्री राकेशसिंह बक्सी नरसिंहपुर, एवं श्री विशाल कटरे बालाघाट एवं 3 आदिवासी महिला कृषकों श्रीमति प्रेमवती, बैतूल, श्रीमतीरेखा पंद्राम, डिण्डोरी एवं श्रीमतीपप्पी बाई सिंह, शहडोल को अभिनव तकनीक विकास एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र एवं 10–10 हजार रूपये की राशि से सम्मानितकिया गया । इस अवसर पर कृषि प्रदर्शनी एवं छात्रों द्वारा प्रस्तुत पोस्टर प्रदर्शनीका अवलोकनअतिथियोंद्वाराकियागया ।

कौशल विकास प्रशिक्षण

पतंजलि बॉयो रिसर्च इंस्टीट्यूट हरिद्वार (उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVV) के अंतर्गत जैविक खेती विषय पर 30 प्रगतिशील कृषकों को 9 दिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 30 नवंबर, 2018 से 8 दिसम्बर, 2018 तक विस्तार संचालनालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन द्वारा किया गया। संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता ने कृषकों को जैविक खेती हेतु मार्गदर्शनदिया एवं विश्वविद्यालय से भविष्य में पूर्णत: सहयोग का आश्वासनदिया। प्रशिक्षणमें संचालनालयके विशेषज्ञ डॉ. टी.आर. शर्मा, डॉ. श्रीमतीअर्चना पाण्डे, डॉ. संजय वैशंपायन,डॉ. प्रमोदगुप्ताकासहयोगरहा।

प्रशिक्षण

विस्तार संचालनालयमें इफकोद्वारा आयोजित 3 दिवसीय कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण का आयोजन 27 से 29 दिसम्बर, 2018 को कियागया जिसमें मुख्य अतिथिमाननीयकुलपतिप्रोफेसरपी.के. बिसेन एवं विशिष्ट अतिथि मुख्य प्रबंधन श्री एम.एल. जोगी, श्री आर.एस.तिवारी, मुख्य क्षेत्रीय प्रबंधक एवं संचालक विस्तार सेवायें डॉ. ओम गुप्ता उपस्थित थे। प्रशिक्षणमें 9 विकासखण्डों के 40 कृषकोंकी भागीदारीरही। संचालनालयके प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. टी.आर. शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिकडॉ. अर्चना पाण्डे, डॉ. संजय वैशंपायन,डॉ. प्रमोदगुप्ताआदिने कृषकोंको प्रशिक्षणदिया।

कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र

कृषि ज्ञान वाणी प्रसार केन्द्र में अक्टूबर से दिसम्बर 2018 तक विभिन्न विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकोंद्वारा सामाजिक व फसलों के अनुरूप भेंट वार्ता की रिकार्डिंग की गई जिसका प्रसारण आकाशवाणी, जबलपुर के कृषि जगत कार्यक्रम में ''कृषि विश्वविद्यालय से खेतों तक कार्यक्रम'' के अंतर्गत प्रसारण प्रति सोमवार को सायं 7.00 से 7.30 बजे तक किया गया। उपर्युक्त कार्यक्रममें डॉ. अर्चना पाण्डे, डॉ. वाय.एम. शर्मा, इंजी. शरद जैन, डॉ. अमित शर्मा का सहयोग रहा ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

महिला किसान दिवस का आयोजन

''महिला किसान दिवस'' कार्यक्रम का आयोजन 15 अक्टूबर, 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव, बालाघाटमें किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आर.एल. राऊत एवं केन्द्र के अन्य वैज्ञानिकोंद्वारा महिला कृषकों को कृषि संबंधित नई तकनीकों के विषय में जानकारियां उपलब्ध करवायी गई। महिलाओं को पोषण के आधार पर फसलों का चयन कर उनकी उन्नत तकनीकोंकी जानकारीभी प्रदान की गई एवं महिला कृषकों को केन्द्र द्वारा आदर्श पोषण वाटिका हेतु टमाटर, बैंगन, सहजन आदि के पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कृषक महिलाओंकी भागीदारीरही।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

5 दिसम्बर, 2018 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर कृषक प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजन किया गया। कृषकों को केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. अहिरवार ने मिट्टी परीक्षण, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, जैव उर्वरकों का प्रयोग, जैविक खादो का महत्व, केंचुआ खाद उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन एवं कचरा अपघटक के उपयोग पर विस्तार पूर्वक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया और मृदा परीक्षण से संबंधित फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम में बालाघाट जिले के लीड बैंक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक श्री दामोदर भोयर ने बैंकों द्वारा कृषकों को दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत कराया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

महिला कृषक सम्मानित

1 अक्टूबर, 2018 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 55 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल की महिला कृषक श्रीमती प्रेमवती धुर्वे, ग्राम-मालसिवनी को ''कुलपति पहचान पुरूस्कार'' आदिवासी महिला कृषक 2018 हेतु पुरूस्कृत किया गया। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में वैज्ञानिक तरीके से खेती द्वारा तकनीकी को बढ़ावा देकर आदिवासी क्षेत्र के कल्याण हेतु कार्य कर रही महिला कृषक को पुरूस्कार स्वरूप 10000/- रू. की राशि, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

5 दिसम्बर, 2018 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा ने मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं संतुलित उर्वरकों के प्रयोग पर जोर दिया। खेती को लाभ का धंधा बनाने हेतु खेती के अलावा अन्य व्यवसाय जैसे पशुपालन, मशरूम उत्पादन, पुष्प उत्पादन आदि को अपनाने की सलाह दी। केन्द्र के अन्य वैज्ञानिकों श्री आर.डी. बारपेटे, रिया ठाकुर, डॉ. मेघा दुबे, डॉ. संजीव वर्मा, डॉ. अनिल शिंदे और डॉ. संजय जैन ने मृदा का नमूना कैसे लें तथा मृदा में पोषक तत्व प्रबंधन आदि विषयों पर किसानों से चर्चा की। कार्यक्रम में लगभग 60 कृषकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

किसान दिवस

23 दिसम्बर, 2018 को ग्राम रखवारा में कृषक दिवस का आयोजन किया गया। किसान दिवस के अवसर पर संस्था के वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को कृषि की नवीन तकनीक अपनाने हेतु उत्प्रेरित किया गया ताकि कृषक प्रति इकाई अत्यधिक उत्पादन लेकर लाभान्वित हो सकें।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्य

स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक 16 से 31 दिसंबर, 2018 के बीच केन्द्र द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों (फसल अवशेष प्रबंधन, सफाई अभियान, अपशिष्ट प्रबंधन हेतु वेस्ट डीकम्पोसर) का आयोजन किया गया। स्वच्छता जागरूकता प्रतियोगिता का आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय, नौगांव, जिला- छतरपुर में आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 9वीं के 70 विद्यार्थियों ने प्रतियोगितामें भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

न्यूट्री स्मार्ट विलेज- पोषण स्वास्थ्य दिवस

5 अक्टूबर, 2018 को आंगनवाड़ी केन्द्र, बदनूर में केन्द्र द्वारा न्यूट्री स्मार्ट विलेज में पोषण स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव, पोषण आहार विशेषज्ञ ने बताया कि कैसे महिलाएं अपने घर पर पोषण वाटिका का निर्माण कर सकती है, कृषक परिवारों को टमाटर, बैगन, गोभी एवं मिर्च के 50-50 पौधे तैयार कर दिये गये साथ ही एक-एक मुनगा के पौधे दिये गये, तथा उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ. सरिता सिंह, वैज्ञानिक, कृषि विस्तार द्वारा बच्चों एवं महिलाओं के स्वच्छता संबंधी निर्देश एवं उपाय पर जानकारी प्रदान की गई, कार्यक्रम के दौरान पोषण थाली का भी अवलोकन किया गया।

केंचुआ खाद उत्पादक पर (ASCI) के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ

केन्द्र में भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) द्वारा संचालित मासिक प्रशिक्षण केंचुआ खाद उत्पादक पर दिनांक 20 दिसम्बर, 2018 से 18 जनवरी, 2019 तक आयोजित किया गया। जिसमें प्रशिक्षण हेतु 20 प्रशिक्षणार्थियों का चयन आवेदन प्रक्रिया द्वारा किया गया। डॉ. एस.डी. सावरकर ने मृदा स्वास्थ्य एवं संतुलित खाद उपयोग से संबधित जानकारी दी। इस अवसर पर केन्द्र के वैज्ञनिक डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव, डॉ. आर.के. झाडे, डॉ. सरिता सिंह, श्री नितेश गुप्ता एवं श्री सुन्दरलाल अलावा उपस्थित थे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन डॉ. एस.के. अहिरवार, प्रशिक्षण प्रभारी द्वारा किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

कृषि कल्याण अभियान कार्यक्रम भाग-2 संपन्न

दमोह जिले के चयनित 25 ग्रामों में कृषि कल्याण अभियान कार्यक्रम भाग-2 का आयोजन दिनांक 2 अक्टूबर से 25 दिसम्बर, 2018 तक किया गया, जिसके अंतर्गत किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, पशुपालन एवं उद्यानिकी विभाग के सहयोग से 81 प्रशिक्षण, 12843 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण, 3970 मिनी किट वितरण, 12500 पौध वितरण, 2065 पशुओं का कृत्रिम गर्भधारण, 75 स्प्रिंकलर वितरण एवं 25 कृषकों को प्रधानमंत्री

फसल बीमा योजना का लाभ दिया गया। इस अभियान में केन्द्र द्वारा वरिष्ठ वैज्ञानिक/प्रमुख डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, डॉ. मनोज अहिरवार, डॉ. बी.एल. साहू का सहयोग रहा ।

पोषण वाटिका में रबी मौसम की सब्जियों का उत्पादन

केंद्र में स्थापित पोषण वाटिका में रबी मौसम की सब्जियों जैसे मेथी, पालक, लालभाजी, पत्तागोभी, फूलगोभी, ब्रोकली, धनिया, मिर्ची, टमाटर, बैंगन, चने की भाजी, लहसुन, मटर एवं पुष्पों की क्यारियाँ तैयार कर पौध रोपण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

अन्तर्राष्ट्रीय महिला कृषक दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा विकासखंड बजाग के ग्राम पिपरिया में 4 दिसम्बर, 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला कृषक दिवस डॉ. हरीश दीक्षित, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती विराजो बाई ग्राम पिपरिया द्वारा की गई। श्री गया प्रसाद एवं श्री रज्जू सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वैज्ञानिक श्रीमती गीता सिंह एवं श्रीमती रेणु पाठक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा महिलाओं को व्यक्तिगत साफ - सफाई एवं पोषक आहार की विस्तृत जानकारी दी गई । कार्यक्रम में कुल 90 महिला कृषकों की भागीदारी रही।

कृषक दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा विकासखंड समनापुर के ग्राम देवलपुर में 23 दिसम्बर, 2018 को कृषक दिवस डॉ. हरीश दीक्षित, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम के सरपंच द्वारा की गई। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. सतेन्द्र कुमार द्वारा एकीकृत खेती के बारे संक्षिप्त जानकारी दी साथ में मछली सह बतख पालन पर जोर दिया। कु. निधि वर्मा, शस्य वैज्ञानिक द्वारा रबी के महत्वपूर्ण फसल जैसे- गेहूं, चना एवं अलसी की उन्नत खेती, एकीकृत कीट नियंत्रण जैविक कृषि एवं कृषि के उन्नत यंत्रों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा मृदा परीक्षण कराने हेतु प्रेरित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

कृषक महिला दिवस का आयोजन

15 अक्टूबर, 2018 को ग्राम टांडाबस्ती ब्लाक हरदा में कृषक महिला दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 51 कृषक महिलाएं प्रतिभागी थीं। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रगतिशील कृषक महिला श्रीमति वीना गोवर्धन योगी थी। इस दौरान वैज्ञानिक डॉ. जागृति बोरकर द्वारा कृषि यंत्रों, अनाज भण्डारण की उन्नत तकनीक, मशरूम उत्पादन, कुक्कुट पालन आदि की महिलाओं को तकनीकी जानकारी दी।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा दिनांक 5 दिसम्बर, 2018 को ग्राम सिरकम्बाब्लॉक टिमरनी में विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में 120 कृषकों एवं 15 विभागीय अधिकारियोंने भाग लिया। इस अवसर पर 50 मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण केन्द्र प्रमुख डॉ आर.सी. शर्मा के द्वारा किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

सेवाकालीन प्रशिक्षण

केन्द्र में अलसी व सरसों-तिलहन उत्पादन का एक उत्तम विकृप (11 अक्टूबर, 2018) व प्रमुख रबी फसलों में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (12 अक्टूबर, 2018) पर आयोजित सेवाकालीन प्रशिक्षण में किसान कृयाण एवं कृषि विभाग के 25 मैदानी कार्यकर्ताओंने भाग लिया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ नायक व डॉ. ए.के. सिंह थे। डॉ. मोनी थॉमस, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. अक्षता तोमर, श्रीमती जी.जी. ऐनी अब्राहम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर केन्द्र, जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा ने प्रशिक्षाणार्थियोंको उत्तम फसलोत्पादन के लिए उत्तम मृदा व तिलहन उत्पादन की जानकारीदी ।

विश्व मृदा दिवस

5 दिसम्बर 2018 को 'विश्व मृदा दिवस' का आयोजन केन्द्र, में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर ने कृषकोंको उत्तम मृदा स्वास्थय की जानकारीदी । कृषकोंके लिए आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगितामें विजयी कृषकोंको पुरूस्कृत किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा ने कृषकोंको मृदा परीक्षण के महत्व को बताया। कार्यक्रम में 104 किसानोंने भाग लिया। डॉ. मोनी थॉमस, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. रश्मि शुक्ला, डॉ. सिद्धार्थ नायक, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. अक्षता तोमर, श्रीमतीजी.जी. ऐनी अब्राहम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

किसान संगोष्ठी का आयोजन

वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख डॉ ए.के. तोमर के निर्देशन में 2 अक्टूबर, 2018 को केंद्र में किसानसंगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के 363 किसानोंने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत हाथ धोने, शौचालय उपयोग करने जैसी बेहतर स्वच्छ आदतों के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साथ वैज्ञानिकोने अवशिष्ट पदार्थो का प्रबंधन, नाडेप, वर्मी कम्पोस्टिंग, रोग एवं कीट नियंत्रण और रबी फसलों की उत्पादन तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में किसानोंने कृषि विज्ञान केंद्र की विभिन्न प्रदर्शन इकाईका भ्रमण किया।

स्वच्छता पखवाड़ा पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

कटनी जिले के विभिन्न गांवों में 16-31 दिसंबर, 2018 के दौरान स्वच्छ्ता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान के अंतर्गत लोगों को बेहतर स्वच्छ आदतों, बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल अपशिष्ट पदार्थो का प्रबंधन, रसोई और घर के अपशिष्ट पदार्थों से खाद बनाने, स्वच्छ पानी को उपयोग करने आदि के लिए प्रेरित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

किसान दिवस का आयोजन

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस 23 दिसम्बर को राष्ट्रीय स्तर पर किसान दिवस के रूप में मनाया गया। इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडो के ग्राम पड़रिया, नारा, दिवारा, डुगंरिया, खुक्सर, गंगोरा आदि से प्रगतिशील कृषक एवं कृषक महिलाओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी दी। प्रगतिशील कृषकों ने अपनी प्रगति के तरीकों को साझा किया केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.एस. गौतम द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा का संक्षिप्त वर्णन किया। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम ने कृषकों की फसल से संबंधित समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का त्वरित समाधान किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा गोटेगांव विकासखण्ड में प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ यतिराज खरे के मार्गदर्शन में 1 से 21 दिसम्बर, 2018 को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत वस्त्र निर्माण प्रशिक्षण दिया गया। केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ दीपाली बाजपेई ने महिलाओं को वस्त्र निर्माण सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गई।

विश्व खाद्य दिवस सम्पन्न

केन्द्र द्वारा दिनांक 16 अक्टूबर, 2018 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ दीपाली बाजपेई ने ग्राम की महिलाओं को केन्द्र की गतिविधियाँ, के साथ साथ सन्तुलित आहार का महत्व, पोषण उद्यान, का महत्व तथा कृषि से सम्बन्धित अन्य जानकारी प्रदान की गई। रबी मौसम में लगाई जाने वाली फसलों एवं साग सब्जियों की उन्नत खेती की जानकारी से महिला कृषकों को अवगत कराया गया। कम लागत खेती के साथ बुवाई पूर्व बीज की सफाई, बीजोपचार, अंकुरण क्षमता का महत्व एवं जैव उर्वरकों की उपयोगिता पर विस्तृत ज्ञान दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव अंतिम वर्ष रावे छात्राओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन - अरहर (टी.जे.टी. - 501)

केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत समूह पंक्ति प्रदर्शन अरहर पर 30 हे. 39 कृषकों के खेतों पर क्रियान्वित किये गये। प्रदर्शन अन्तर्गत शीघ्र पकने वाली एवं उकठा निरोधक किस्म टी.जे.टी. 501, 8 कि.ग्रा./एकड़ तथा जैव उर्वरक राइजोबियम, स्फुर घोलक जीवाणु, स्यूडोमोनास फ्लोरोसिंस तथा जैविक फफूंद में ट्राइकोडर्मा आदि 2-2 ली. प्रति एकड़ और कीटनाशी फफूंद बेबेरीयाना बेसीयाना 400 मि.ली. प्रति एकड़ की दर से लाभार्थी

कृषकों को दिया गया। पन्ना में प्रतिवर्ष पाला से लम्बी अवधि वाली किस्मों को काफी हानि पहुंचती है। यह किस्म पाला एवं उकठा से होने वाले नुकसान से बचाव में सहायक होगी।

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम अंतर्गत किसान दिवस का आयोजन

केन्द्र में स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 दिसम्बर, 2018 के अन्तर्गत 23 दिसम्बर, 2018 को किसान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. बी.एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, श्री डी.पी. सिंह सस्य विशेषज्ञ, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग एवं 79 कृषक/महिलायें तथा दवाएं विक्रेताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई तथा पेड़ों की पत्तियां, घास फूस आदि को गड्ढे में डालकर कम्पोस्ट बनाने की सलाह दी गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

केंद्र में 5 दिसम्बर 2018 को विश्व मृदा स्वास्थ्य मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. आर. एस. त्रिपाठी, प्रमंडल सदस्य, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रीवा के अधिष्ठाता प्रो. एस.के. पाण्डेय व कृषि विज्ञान केंद्र रीवा के प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय के साथ - साथ प्रो. एस.के. त्रिपाठी, डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. ए.के. पाण्डेय, डॉ. आर.पी. जोशी, प्रो. राजेश तिवारी डॉ. किंजल्क सिंह, डॉ. सी.जे. सिंह, डॉ. स्मिता सिंह, डॉ. ब्रजेश तिवारी, डॉ. संजय सिंह उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

खरीफ प्याज प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा डॉ. के.एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में दिनांक 15 नवम्बर 2018 को ग्राम सेमरा गोपालमन में कृषक श्री दामोदर पटेल के खेत पर डॉ. आशीष त्रिपाठी द्वारा

खरीफ प्याज पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। डॉ. के.एस. यादव ने खरीफ प्याज की किस्म भीमा सुपर, ए.एफ.डी.आर. की नर्सरी प्रबंधन तथा खरपतवार नियंत्रण की जानकारी दी। उन्होंने जवाहर जैव उर्वरकों तथा बायोफर्टीसोल के उपयोग की सलाह दी। डॉ. आशीष त्रिपाठी द्वारा प्याज में लगने वाले रोग कीटों के नियंत्रण हेतु आई.पी.एम. पद्धति की जानकारी दी साथ ही भूमिगत रोगों के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडर्मा, स्यूडोमोनास द्वारा भूमि उपचार की विधि के बारे में कृषकों को अवगत कराया। डॉ. वैशाली शर्मा तथा डॉ. विवेकिन पचौरी ने भी कृषकों को संबोधित किया। गांव के प्रगतिशील कृषक श्री रघुनाथ सिंह, श्री गजेन्द्र सिंह सहित ग्राम के 45-46 कृषकों ने भाग लिया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं भारतीय कृषिअनुसंधानपरिषदके निर्देशानुसारसतर्कताजागरूकतासप्ताह का आयोजन केन्द्र द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर से 03 नवम्बर 2018 तक किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

पोषण स्वास्थ्य दिवस

केंद्र द्वारा न्यूट्री स्मार्ट ग्राम सेठेवानी में दिनाँक 18 दिसम्बर, 2018 को पोषण एवं स्वास्थ दिवस मनाया गया। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री ए.पी. भंडारकर, एवं डॉ डी.सी. श्रीवास्तव वैज्ञानिक खाद्य विज्ञान द्वारा कुपोषित बच्चों एवं माताओंहेतु कम लागत में पौष्टिक व्यंजनों का निर्माण, कुपोषित बच्चों एवं माताओं हेतु पोषण थाली का निर्माण, साफ-सफाई का ध्यान एवं कुपोषण के बचाव पर अपने विचार व्यक्त किये। पोषण वाटिका में लगाये गये पौधों का अवलोकन किया गया।

महिला कृषक दिवस

केंद्र द्वारा महिला कृषक दिवस दिनांक 15 अक्टूबर, 2018 को मनाया गया, इसके अंतर्गत महिला किसान एवं कृषि महाविद्यालय, जबलपुर की (रावे) छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत वाद-विवाद स्पर्धा, कृषि में महिलाओं का योगदान पर निबंध प्रतियोगिता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, इसमें सम्मिलित प्रतिभागियोंको वरिष्ठ व प्रमुख वैज्ञानिकों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, महिला किसानश्रीमति रूकमणीसनोडिया एवं डॉ. के.के. देशमुख एवं डॉ. एन.के. सिंह, वैज्ञानिकोंने हिस्सा लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

कृषकों के खेतों का भ्रमण

9 एवं 10 दिसम्बर, 2018 को राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र मुजफ्फरपुर के निदेशक डॉ. विशाल नाथ एवं डॉ. अशोक गुप्ता द्वारा ग्राम खेतौली एवं कृषि विज्ञान केन्द्र में लीची के पौधों का निरक्षण किया गया। इस अवसर पर दिनाक 9 दिसम्बर 2018 को ग्राम खेतौली में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया और किसानोंको सब्जी के बीजों का वितरण भी किया गया।

विश्व खाद्य दिवस, न्यूट्रिस्मार्ट गांव

16 अक्टूबर 2018 को विश्व खाद्य दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ग्राम कृयाणपुरमें किया गया। कार्यक्रममें पोषण आहार का दैनिक जीवन में महत्व पर जानकारीदी गई। दिनाक 13 अक्टूबर 2018 को न्यूट्रिस्मार्ट गाँव कुंवरसेजा सोहागपुरमें पोषक गृह वाटिका किट का वितरण किया गया। कार्यक्रममें वैज्ञानिक डॉ. अल्पना शर्मा द्वारा पोषक गृह वाटिका का महत्व के बारे में

महिलाओं को अवगत कराया गया। 20 दिसम्बर 2018 को न्यूट्रिस्मार्ट गाँव बिछिया बुढ़ार में पोषक गृह वाटिका किट का वितरण किया गया, साथ ही सोयाबीन से दूध बनाने की विधि का भी प्रदर्शन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

स्वच्छता पखवाड़ा

केन्द्र द्वारा दिनांक 16-31 दिसम्बर 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्र के अधिकारियोंएवं कर्मचारियों तथा कृषकों द्वारा शपथ समारोह, स्वच्छता जागरूकता, जैविक खेती, पौध रोपण, कार्यालयतथा आस-पास साफ-सफाई, स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केन्द्र एवं विभिन्न ग्रामों जैसे जमोडी, मधुरी, कुसमीतथा मझौली में आयोजित किया गया।

विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस

केन्द्र द्वारा दिनांक 5 दिसम्बर 2018 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। केन्द्र के प्रमुख प्रो. एम.एस. बघेल द्वारा बताया गया कि किसानोंद्वारा सर्वप्रथम मिट्टी की जांच कराकर अपने मृदा की आवश्यकताके अनुसार ही रासायनिक खाद का उपयोग करना चाहिये। डा. धनंजय सिंह, सस्य वैज्ञानिक द्वारा जैव वायो उर्वरकों के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया गया साथ ही जैविक खेती हेतु केंचुआ खाद, नाडेप, गोबर गैस आदि के उपयोग

पर बल दिया गया। डॉ. अलका सिंह, गृह वैज्ञानिक द्वारा अपने घर में किचन गार्डन बनाने की विस्तार से जानकारी दी गयी कार्यक्रम में 266 कृषक तथा 25 विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। 110 कृषकोंको मृदा परीक्षण पत्रक वितरित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

कृषि कल्याण अभियान के द्वितीय चरण में सिंगरौली को प्रथम स्थान प्राप्त

देश के 117 आंकाक्षीजिलों में शामिल सिंगरौली कृषि विज्ञान केन्द्र, के नेतृत्व में चलाये जा रहे इस अभियान में किसान कल्याण एवं कृषि विकास तथा पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग सिंगरौली द्वारा जिलें के चयनित 25 गॉवों में दिनांक 2 अक्टूबर, 2018 से अब तक चलाये गये कृषि कल्याण अभियान हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा जारी रैंक मे देश 7 जिलों के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया है सिंगरौली यह गौरव प्राप्त करने वाला प्रदेश का एक मात्र जिला है, जिसने निर्धारित अवधि मे दिये गये लक्ष्यों को शत् प्रतिशत पूर्ण किया।

किसान दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के अवसर पर किसान दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रांगण मे किया गया। इस दौरान जिले के उन्नतशील कृषकोंद्वारा विभिन्न उत्पादन तकनीकोंके बारे अपने अनुभवों को साझा किया गया और बताया गया कि किस प्रकार वर्तमान में जिले में मशरूम की खेती, पपीता की खेती को अनाज उत्पादन एवं पशुपालन/मछली पालन को अपनाकर खेती को लाभ का धंन्धा बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे उप संचालक किसान उत्पाद एवं कृषि विकास विभाग के श्री आशीष पाण्डेय की उपस्थिति मे कार्यक्रम की अध्यक्षता उप संचालक पशुचिकित्सा सेवायें डॉ. एस.एम.पी. शर्मा द्वारा की गई

एवं विशिष्ट अतिथि के रूप मे डॉ. राजेन्द्र सिंह चौहान प्राचार्य कृषि विस्तार प्रशिक्षण केन्द्र सिंगरौली, सहायक भूमि संरक्षण अधिकारी श्रीमनोज सिंह के साथ कुल 151 कृषकों की सहभागिता रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

परियोजनाओं का निरीक्षण

डॉ. ए.के. शिवहरे, सहायक निदेशक दलहन विकास निदेशालय (भारत सरकार) भोपाल, म.प्र. के द्वारा दिनांक 18 दिसम्बर, 2018 को केंद्र द्वारा संचालित परियोजनान्तर्गत समूह प्रदर्शन (सी.एफ.एल.डी.) एवं सीड हब लगाये गये। फसलों का निरीक्षण किया गया, जिसमें दलहनी फसल में चना ग्राम सूरजपुर के 10 किसानोंएवं कमरऊखिरिया को 10 किसानोंके प्रक्षेत्र का भ्रमण किया एवं सीड हब परियोजना में चना फसल ग्राम चरपुवाँ एवं ग्राम माडूमार के किसानोंके चना फसल प्रक्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान कृषकोंद्वारा चना की बोनी बीज उपचारित कर आवश्यकतानुसार कल्चर, उर्वरक देने के पश्चात् कतार पद्धति से ही बोनी के बारे में बताया गया। उपरोक्त भ्रमण एवं निरीक्षण के दौरान डॉ. एच.एस.राय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, नोडल अधिकारी सीड हब एवं डॉ. एस.के. सिंह, वैज्ञानिक एवं प्रभारी सी.एफ.एल.डी. (एन.एफ.एस.एम.) मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा 2018

केन्द्र द्वारा दिनांक 16 से 31 दिसम्बर 2018 तक स्वच्छता पखवाड़ा जिले के विभिन्न ग्रामों में जाकर मनाया गया, जिसमें किसानोंको वैज्ञानिकोंके द्वारा सफाई के अतिरिक्त कचरे द्वारा निर्मित खाद, केचुआखाद एवं कम्पोस्ट तैयार करने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

किसान दिवस सह अरहर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

केन्द्र द्वारा भारत सरकार एवं अटारी जोन 9 के निर्देशन में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ के पी तिवारी के मार्गदर्शन में 23 दिसम्बर 2018 को ग्राम अकवनिया एवं गहिराटोला में किसान दिवस सह अरहर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ के.व्ही. सहारे ने क्लस्टर प्रदर्शन के तहत ग्राम अकवनिया में डाले गये अरहर प्रजाति टी जे टी 501 का गांव के अन्य कृषकोंको भ्रमण कराया एवं कृषकोंने पाया कि टी जे टी 501 प्रजाति दिसंबर माह में पककर तैयार हो गई है व अन्य प्रजातियां फूलने की अवस्था में हैं, इस अवसर पर कुल 59 कृषक उपस्थित रहे।

दलहन एवं तिलहन के क्लस्टर आधारित डाले गये प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा दलहन एवं तिलहन फसल पर क्लस्टर आधारित प्रदर्शन के अंतर्गत चना फसल प्रजाति जे जी 12 को ग्राम उचेहरा क्लस्टर

में 50 कृषकों को तथा धौरखोह क्लस्टर में 25 कृषकों के यहां कुल 30 हेक्टेयर में प्रदर्शन डाले गये वहीं तिलहन क्लस्टर प्रदर्शन के तहत् 10 हेक्टेयर में सरसों पूसा तारक के विकास खंडकरके ली को गांव उचेहरा में 25 प्रदर्शन डाले गये।

पायलट प्रोजेक्ट के तहत किसानों को दिया गया किनोवा बीज

जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तहत जिले के कृषकों को पौष्टिक गुणों से युक्त किनोवा फसल का 40 किलो बीज जिले के विभिन्न गावों में दिया गया इसके तहत् कुल 30 कृषकों को ग्राम अमहा, महरोई, बरबसपुर, ताली, सलैया आदि से सम्मिलित किये गये तथा साथ ही कृषि विभाग मानपुर प्रक्षेत्र को भी इस फसल का बीज उपलब्ध कराया गया, ताकि फसल की उपयुक्ता संबंधी गुणों का परीक्षण किया जा सके ।

आगामी माह के कृषि कार्य

फसल उत्पादन

- गेहूं की खड़ी फसल में दीमक एवं चूहे की रोकथाम तथा कंडवा ग्रस्त बालियों को निकाले।जंगली जई व गुल्ली डंडा (फेलेरिस) के पौधे को बीज बनने के पूर्व निकालकर नष्ट करें।
- चना, मटर, अलसी, कुसुम, व सूरजमुखी फसलों में आवश्यक तानुसार सिंचाई करें।
- बसंतकालीन गन्ने की बोनी करें।
- चने में छेदक कीट प्रबंधन हेतु चने में चिड़ियों का आकर्षित करने के लिये लगभग 25 खपच्चियों (शाखाओंवाली) प्रति हेक्टेयर की दर से पौधे से 10-20 से.मी. अधिक ऊँचाई में लगाये।
- सरसों में मोयला कीट एवं सफेद रोली, झुलसा, रोग की रोकथाम करें।खरपतवारों को बीज बनने से पहले निकाले। फलियों में दाना बनते समय सिंचाई करें।
- रिजका एवं बरसीम की फसल की चारा कटाई तथा प्रत्येक कटाई के बाद 20 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।
- सिंचित दशा में सघन खेती के लिये आलू, तोरिया, हरी मटर के बाद, मूंग, मूंगफली और मक्का की एकल फसल के रूप में या अन्तर्वर्त्तीय फसल के रूप में बोनी करे।

उद्यानिकी

- आम में मिली बग कीट की रोकथाम करें।
- नीबू जाति के पौधों में कैंकर, डाई-बैकव कीटों की रोकथाम करें।आवश्यकतानुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव करें।
- प्याज में हरी लट की रोकथाम करें।
- मटर में फली छेदक, तना-मक्खी, की रोकथाम करें।
- बैगन, भिण्डी, टमाटर में मकड़ी थ्रिप्स, सफेद मक्खी कीट की रोकथाम करें।बैगन व मिर्च की नई फसल हेतु रोपणी तैयार करें।
- भिण्डी, पालक, ग्वार की बुवाई करें।
- गैलार्डिया व गेन्दा फूलों की नर्सरी तैयार करें।
- गृहवाटिका में गर्मी की सब्जियों हेतु बोनी करें।

बुक-पोस्ट
मुदित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय

अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004, भारत

Tele-fax: 0761-2681710
E-mail: desjnau@rediffmail.com
www.jnkvv.org

Printed at: Sanchar kendra, JNKVV, JBP

प्रति, _____

_____

_____